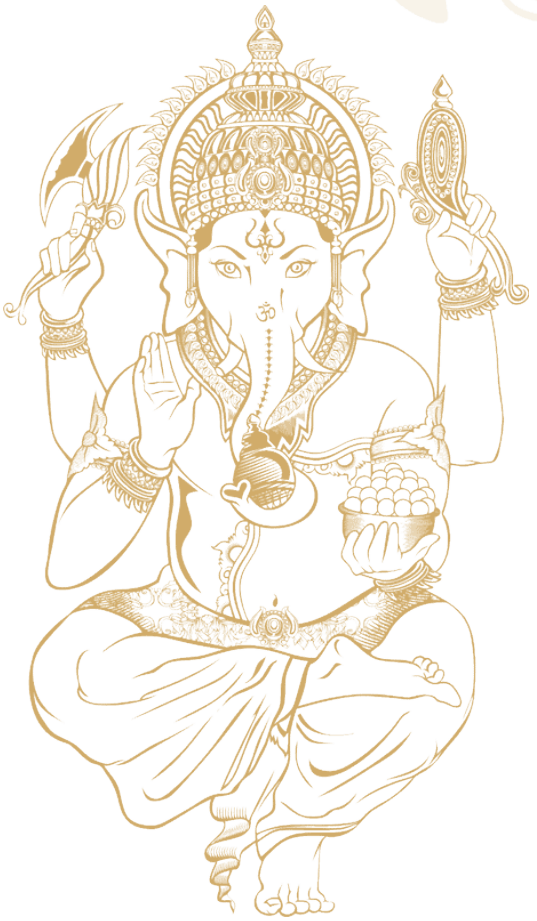

Avinash Puja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120991304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/01/1988	जन्म तिथि	02/04/1991
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 08:35:00	जन्म समय	12:00:00 घंटे
घटी 06:12:21	जन्म समय(घटी)	17:17:59 घटी
India	देश	India
Dibrugarh	स्थान	Nalbari
27:29:00 उत्तर	अक्षांश	26:26:00 उत्तर
94:56:00 पूर्व	रेखांश	91:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:49:44	स्थानिक संस्कार	00:36:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:06:03	सूर्योदय	05:18:59
16:32:11	सूर्यास्त	17:40:58
23:41:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:20

विंशोत्तरी
शुक्र 10वर्ष 11मा 27दि

राहु	
05/01/2022	
05/01/2040	
राहु	17/09/2024
गुरु	11/02/2027
शनि	18/12/2029
बुध	06/07/2032
केतु	25/07/2033
शुक्र	24/07/2036
सूर्य	18/06/2037
चन्द्र	18/12/2038
मंगल	05/01/2040

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
07:31:03	कुंभ	लग्न	कर्क	04:03:29
24:22:04	धनु	सूर्य	मीन	18:16:51
19:20:22	सिंह	चंद्र	तुला	23:15:23
06:38:00	वृश्चि	मंगल	मिथु	05:51:29
04:29:37	मक	बुध	मेष	04:55:10
27:06:30	मीन	गुरु	कर्क	09:49:18
28:18:28	मक	शुक्र	मेष	23:32:08
02:42:19	धनु	शनि	मक	11:30:21
01:38:03	मीन व	राहु व	मक	00:44:36
01:38:03	कन्या व	केतु व	कर्क	00:44:36
04:27:03	धनु	हर्ष	धनु	19:57:56
14:24:08	धनु	नेप	धनु	22:56:57
18:29:54	तुला	प्लूटो व	तुला	26:12:49

विंशोत्तरी
गुरु 12वर्ष 1मा 3दि

बुध	
06/05/2022	
06/05/2039	
बुध	01/10/2024
केतु	28/09/2025
शुक्र	29/07/2028
सूर्य	05/06/2029
चन्द्र	04/11/2030
मंगल	01/11/2031
राहु	21/05/2034
गुरु	26/08/2036
शनि	06/05/2039

लग्न-चलित

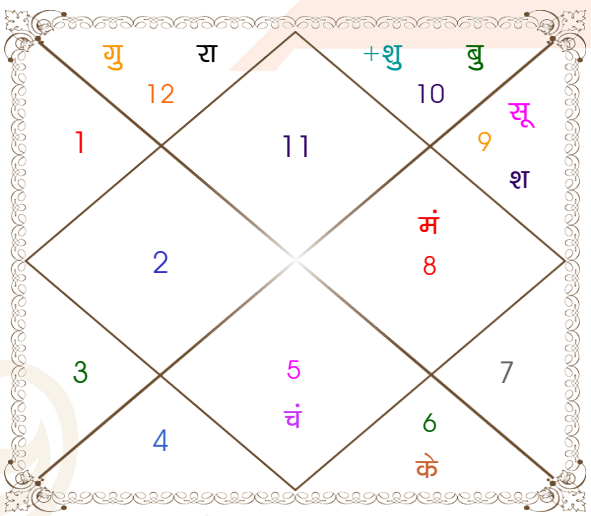

लग्न-चलित

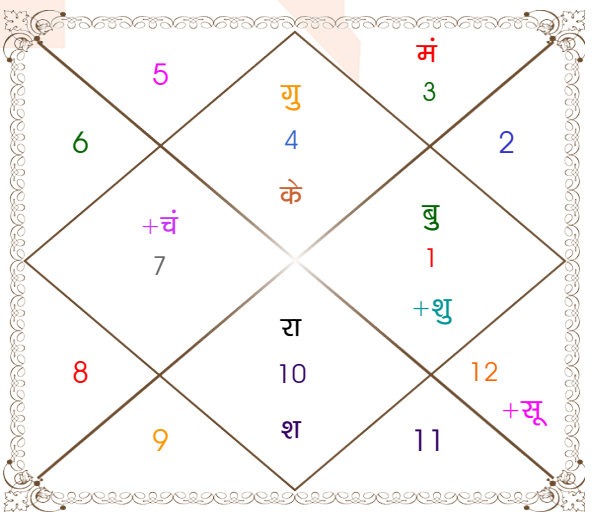

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Avinash का वर्ग श्वान है तथा Puja का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Avinash और Puja का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Avinash मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Puja मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Puja कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Avinash कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Avinash तथा Puja में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।